Rajasthan Patrika, 26/03/2025, Wednesday

न्यूरोलॉजिकल अनुसंधान को आगे बढ़ानें पर दिया जोर

पिलानी. बिट्स पिलानी में फार्मेसी विभाग की ओर से न्यूरोलॉजिकल विकारों पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। मुख्य अतिथि सीडीएस सीओ दिल्ली के. संयुक्त ड्रग कंट्रोलर डॉ. चन्द्रशेखर रंगा थे। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय जीएलपी. कमप्लाइन्स मॉनिटरिंग एथोरटी, डीएसटी दिल्ली की वैज्ञानिक डॉ. एकता कपूर, बिट्स के मनोनित निदेशक प्रो. सुधीरकुमार बरई, प्रशासनिक डीन प्रो. एनवीएम राव, रजिस्ट्रार कर्नल एस. चक्रवर्ती, विभागाध्यक्ष और संयोजक प्रो. राजीव तालियान थे। प्रो. बरई ने कहा कि न्यूरोलॉजिकल शोध और उपचार में दबावपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने में न्यूरोफार्माकोलॉजी का बहुत बड़ा महत्व है। प्रो. तालियान ने 75 वर्षो में विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी। डा. कपूर ने न्यूरोलॉजिकल अनुसंधान को आगे बढाने, वैज्ञानिक जांच में सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में अच्छे प्रयोगशाला अभ्यास (जीएलपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न संस्थाओं से करीब एक सौ प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया। उल्लेखनीय वक्ताओं में प्रो. दीपक कुमार शर्मा (सीएसआईआर-आईएमटेक, चंडीगढ़) डॉ. पंकज सेठ (नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर, गुड़गांव) , डॉ. विनय पारीख (निदेशक, न्यूरोसाइंस प्रोग्राम, कॉलेज ऑफ लिबरल आर्ट्स, टेंपल यूनिवर्सिटी, फिलाडेल्फिया, यूएसए) , डॉ. ओंकार प्रकाश कुलकर्णी (फार्मेसी विभाग, बिट्स हैदराबाद कैंपस) , डॉ. चिह-हाओ यांग (ताइपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी, ताइवान) और डाऊ. अनिल कुमार (पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब, भारत) शामिल थे।